सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग अ– परिचय				
कार्यक्रम प्रमाण पत्र		कक्षाः बी ए	वर्षः प्रथम वर्ष	सत्रः 2020–21
विषयः राजनीति विज्ञान				
1	पाठ्यक्रम का कोड	AI-HLITIT		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	हिन्दी काव्य (प्रश्न पत्र)		
3	पाठ्यक्रम का प्रकारः (कोर कोर्स / इलेक्टिव / जेनेरिक इलेक्टिव / वोकेशनल / .....)	कोर कोर्स		
4	पूर्वपेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए विद्याथियो ने किसी भी विषय से कक्षा 12 वीं प्रमाण पत्र / डिप्लोमा किया हो, पात्र है।		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्र्थी हिन्दी काव्य की सुदीर्घ परम्परा से परिचित होंगे। 2. प्रसिद्ध रचनाओं के अध्ययन से देश की सामाजिक सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय पृष्ठभूमि से सुविज्ञ होंगें। 3. विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास होगा, उनकी जीवन दृष्टि का विस्तार होगा जिससे वह जीवन एवं जीवन मूल्यों को समझने में सक्षम होंगें। 4. रचनात्मक कौशल में दक्षता होगी जिससे उन्हें रोजगार की अनेक सभावनायें मिलेगी।		
		5. लोकतंत्र के विभिन्न मॉडलों (प्रतिदर्श) एवं प्रतिनिधित्व के सिद्धातों की व्याख्या करने में सक्षम होंगे।		
6	क्रेडिट मान	6		
7	कुल अंक	अधिकतम अंकः 25+75	न्यूनतम उत्तीर्ण अंकः33	

भाग ब– पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या 90 (प्रति सप्ताह घंटे में 02)		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
इकाई –1	भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत हिदी साहित्य के इतिहास की पृष्ठभूमि एवं प्रमुख कवि 1 हिन्दी साहित्य के इतिहास की पृष्ठभूमि– 1.1. काल विभाजन एवं नामकरण 1.2. आदिकाल की सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि 1.3. आदिकालीन काव्य धाराऍ एवं प्रवृत्तियॉ 1.4. आदिकालीन कवि 2. प्रमुख कवि– 2.1. गोरखनाथ (व्याख्या एवं समीक्षा) गोरखबानी सबदी– पद सं. 2, 4, 7, 8, 16 राग रामग्री पद 10, 11	

	2.2 चदबरदाई (व्याख्या एवं समीक्षा) पृथ्वीराज रासो कनवज्जा समय–कवित 144,145,146 2.3 विद्यापति (व्याख्या एवं समीक्षा	

	पदावली –पद सं. 1, 49, 54, 55, 58	
इकाई–2	1 भक्तिकाल एवं प्रमुख कवि 1.1. भक्ति आंदोलनः सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि 1.2. काव्य धाराऍ एवं प्रवृतियॉ 1.3. प्रमुख निर्गुण एवं कवि, भक्ति काल की प्रवृत्तियॉ 2 प्रमुख कवि–निर्गुण मार्गी 2.1. कबीरदास (व्याख्या एवं समीक्षा) साखी–गुरूदेव को अंग– 1, 5, 7, 11, 13 विरह को अंग – 4, 10, 12, 20, 23 पद– • दुलहनीं गावहु मंगलचार • पंडित बाद बदते झूठा • लोका मति के भोरा रे • बोलौ भाई राम की दुहाई 2.2. मलिक मोहम्मद जायसी (व्याख्या एवं समीक्षा) मानसरोदक खण्ड–पदसं, 1 से 3 3 प्रमुखकवि –सगुणमार्गी 3.1. सूरदास (व्याख्या एवं समीक्षा) अयोध्याकाण्ड– मागी नाव न केवटु आना। कहइ तुम्हार मरमु मैं जाना। से बिदा कीन्ह करूनायतन भगति बिमल बरु देह। (102 दोहा तक)	18
इकाई–3	1 रीतिकाल की पृष्ठभूमि एवं प्रमुख कवि 1.1 रीतिकाल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि 1.2 रीतिकालीन साहित्य के प्रमुख भेद– रीतिसिद्ध,	

	रीति और रीतिमुक्त	

	1.3 रीतिकाल की प्रवृतियाँ 2 प्रमुख कवि 2.1 बिहारी (व्याख्या एवं समीक्षा) छोहा क्र. 1, 16, 18, 20, 21, 25, 27, 28, 37 46 2.2 भूषण (व्याख्या एवं समीक्षा) शिवानी बावनी पद सं. 4, 25, 26, छत्रसाल दशक पद स. 1.7	
	1 आधुनिक काल की पृष्ठभूमि एवं प्रमुख कवि 1.1 आधुनिक काल की सामाजिक संस्कृतिक पृष्ठभूमि पुनजागरण काल हिन्दी नवजागरण काल एवं प्रवृतियों 1.2 भारतेन्दु युगीन साहित्य एवं प्रवृतियाँ 1.3 द्विवेदी युगीन साहित्य एवं प्रवृत्तियाँ 1.3 छायावाद युगीन साहित्य एवं प्रवृत्तियाँ 2 प्रमुख कवि 2.1 भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (व्याख्या एवं समीक्षा) हिन्दी भाषा निज भाषा उन्नति अहे. सब उन्नति को मूल (10 दोहे) 2.2 अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' (व्याख्या एवं (समीक्षा)) काव्य– एक बूंद मोठी बोली 2.3 जयशंकर प्रसाद (व्याख्या एवं समीक्षा) कामायनी के श्रद्धा मर्ग से प्रकृति के यौवन का श्रृंगार करेंगे कभी न वासी फूल..... से खिंची आवेगी सकल समृद्धि'' तक का अंश 2.4 सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (व्याख्या एवं समीक्षा) जागो फिर एक बारः भाग 2, वह तोड़ती पत्थर 2.5 महादेवी वर्मा (व्याख्या एवं समीक्षा) मैं नीर भरी दुख की बदली बीन भी हूँ मैं तुम्हारी, रागिनी भी हूँ	
इकाई–5	1. छायावादोत्तर काव्य धाराएँ एवं प्रमुख कवि 1.1 उत्तर छायावाद की विविध वैचारिक प्रवृतियाँ 1.2 प्रगतिवाद साहित्य एवं प्रवृत्तियाँ 1.3 प्रयोगवाद साहित्य एवं प्रवृतियाँ 1.4 नई कविता, समकलीन कविता प्रमुख प्रवृत्तियां	

	2 प्रमुख कवि 2.1 अज्ञेय (याख्या एवं समीक्षा) नदीं के द्वीय, यह दीप अकेला। 2.2 गजानन माधव 'मुक्तिबोध' (व्याख्या एवं समीक्षा) मैं तुम लोगों से दूर हूँ गलती 2.3. नागार्जुन (व्याख्या एवं समीक्षा) अकाल और उसके बाद बादल को घिरते देखा है। 2.4 धूमिल (व्याख्या एवं समीक्षा) रोटी और संसद, बीस साल बाद 3 अभ्यास 3.1 काव्यपाठ (संस्वर) 3.2 सुलेखन 3.3 शुद्धवाधन	

सार बिंदु की बर्ड)ध्टैग, पुनर्जागरण, नवजागरण, समकालीन सांस्कृतिक पृष्ठभूमि काव्य प्रवृत्तियां

भाग – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें संदर्भ पुस्तकें अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तके ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्रीः

पाठ्य पुस्तकें–

1. सं बडथ्वाल, पीतांवरदत्त गोरखबानी' प्रकाशन हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग
2. दीक्षित, आनंद प्रकाश –विद्यापति पदावली– साहित्य मंदिर प्रकाशन ग्वालियर
3. सं. दास, श्यामसुन्दर कबीर ग्रंथावली'' नागरी प्रचारणी सभा वाराणसी
4. शुकल आचार्य रामचन्द्र जायसी ग्रंथावली–नागरी प्रचारणी सभा वाराणसी
5. शुक्ल, आचार्य रामचन्द ''भ्रमरगीत सार लोक भारती प्रकाशन इलाहबाद
6. गोस्वामी तुलसीदास, श्रीरामचरितमानसः गीता प्रेस गोरखपुर
7. रत्नाकर, जगन् नाथदास बिहारी रत्नाकर रत्नाकर पब्लिकेशन वाराणसी
8. मिश्र, विश्वनाथ प्रसाद भूषण ग्रंथावली साहित्य सेवक कार्यालय काशी
9. शर्मा, हेमंत, ''भारतेन्दु समग्र हिन्दी प्रचारक संस्था वाराणसी
10. शाही, सदानन्द, ''अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध रचनावली वाणी प्रकाशन नई दिल्ली
11. प्रसाद, जयशंकर कमायनी लोक भारती प्रकाशन इलाहबाद
12. शर्मा, रामविलास, "राग–विराग लोक भारती प्रकाशन इलाहबाद
13. वर्मा, महादेवी, ''परिक्रमा साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहबाद
14. पालिवाल, कृष्णदत, ''अज्ञेय रचनावली'' भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन नई दिल्ली
15. मुक्तिबोध, गजानन माधव ''चाँद का मुँह टेढ़ा है'' राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
16. सिंह, नामवर, ''प्रतिनिधि कविताएं नागार्जुन'' राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
17. संपादक विवेदी मारिप्रसाद ''संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो काशी विश्वविद्यालय बनारस प्रथम संस्करण 1952 ई.

संदर्भ ग्रन्थ–

1. डॉ. नगेंद्र, (संपा.), ''हिंदी साहित्य का इतिहास'' नैशनल पब्लिशिंग हाउस, नईदिल्ली 1976
2. शुक्ल, रामचंद्र ''हिंदी साहित्य का इतिहास लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद, 2019
3. तिवारी, रामचंद्र, हिंदी गदय का इतिहास''''' विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी 1992
4. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, ''हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास''', लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद, 2019
5. सिंह नामवर ''आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली, 2011
6. ओझा, डॉ. दुर्गा प्रसाद एवं राय डॉ. अनिल, ''छायावादोत्तर काव्य प्रतिनिधि रचनाएं'' प्रकाशन केंद्र लखनऊ
7. ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद, ''आधुनिक हिंदी कविता'', प्रकाशन केंद्र, लखनऊ, 2011
8. दद्विवेदी, हजारीप्रसाद, ''हिन्दी साहित्य का आदिकाल बिहार राष्ट्र भाषा परिषद, पटना, 1961तृतीय सं.
9. भटनागर, डॉ. रामरतन, प्राचीन हिन्दी काव्य, इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग, 1952
10. दुद्विवेदी, हजारीप्रसाद, ''हिन्दी साहित्य की भूमिका'' हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई, 1940
11. श्रीवास्तव, डॉ. रणधीर, ''विद्यापति एक अध्ययना भारतीय ग्रन्थ निकेतन, नयी दिल्ली 1991
12. सिंह. डॉ. शिवप्रसाद, विद्यापति हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी, 1957
13. वर्मा, रामकुमार, ''संत कबीर साहित्य'' भवन लिमिटेड, इलाहाबाद, 1943
14. द्विवेदी, हजारीप्रसाद, ''कबीर'''' हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई, 1946
15. वर्मा रामकुमार ''कबीर का रहस्यवाद'', साहित्य भवन, इलाहाबाद, 1941
16. वर्मा, रामलाल, ''जायसी व्यक्तित्व एवं कृतित्व'', भारतीय ग्रन्थ निकेतन, दिल्ली. 1978
17. पाठक, शिवसहाय ''मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य'' साहित्य भवन, इलाहाबाद
18. शर्मा मुंशीराम, ''सूरदास का काव्य वैभव'' ग्रन्थम प्रकाशन कानपुर, 1965
19. किशोरीलाल, ''सूर और उनका अमरगीत अभिव्यक्ति प्रकाशन इलाहाबाद, 1993
20. वाजपेयी, नन्ददुलारे, सूरसंदर्भ'' इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग
21. त्रिपाठी, रामनरेश, ''तुलसीदास और उनकी कविता (भाग–1)'', हिन्दीमंदिर, प्रयाग, 1937
22. दीक्षित राजपति, ''तुलसीदास और उनका युग, ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी, 1953
23. त्रिगुणायत, गोविन्द, ''कबीर की विचारधारा'' साहित्य निकेतन, कानपुर
24. उपाध्याय विशम्भर नाथ, ''सूर का भ्रमरगीत एक अन्वेषण'', विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
25. डॉ. नगेन्द्र, ''कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ'', नेशनल पब्लिशिंगहाउस, नयी दिल्ली।
26. शर्मा, रामविलास, ''निराला की साहित्य साधना, भाग–2'', राजकमल प्रकाशन, नयीदिल्ली
27. गौड, राजेंद्रसिंह, ''आधुनिक कवियों की काव्य साधना'', श्रीराम, मेहता एंडसस, आगरा 1953
28. सक्सेना, द्वारिका प्रसाद, ''हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा।
29. कुमारविमल, ''छायावाद का सौन्दर्य शास्त्रीय अध्ययन'' राजकमल प्रकाशन, नयीदिल्ली, 1970

30. तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद, "समकालीन हिन्दी कविता", राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
31. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, अज्ञेय का रचनासंसार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयीदिल्ली
32. सिंह, विजयबहादुर नागार्जुन का रचनासंसार, सम्भावना प्रकाशन, हापुड, 1982
33. अष्टेकर कटघरे का कवि धूमिल पंचशील प्रकाशन जयपुर।
34. नवल नंदकिशोर मुक्तिबोध साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली।
35. त्रिपाठील, डॉ, हंसराज, आत्म संघर्ष की किवता मुक्ति बोध, मानस प्रकाशन, प्रतापगढ।
36. सिंह. शम्भूनाथ, छायावाद सरस्वती मन्दिर वाराणसी, 1962
37. अज्ञेय दूसरा सप्तक प्रगति **प्रकाशन नई दिल्ली** प्रतीक प्रकाशन माला 1951
38. विज्ञारिया, डॉ. श्रीराज प्रकाशन, दिल्ली, 2007 38. सिंह, ताप, नाथपंथ और गोरानी'' आर्यावर्त संस्कृति संस्थान, दिल्ली 2011

2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक

1. www.wikipidiya.org
2. www.egyankosh.ac.in
3. www.youtube.com
4. https://epgp.inflibnet,ac.in
5. hindiwi.org
6. kavitakosh.org
7. https://swayam.gov.in/

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठयक्रमः https://swayam.gov.in/

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:
अधिकतम अंकः 100
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE): अंक : 25 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE) अंकः 75

आंतरिक मूल्यांकनः सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट / प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	15 10 कुल अंकः 25
आकलनः विश्वविद्यालय परीक्षाः समय–02.00 घंटे	अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द) अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द) अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	03 x 03 = 09 04 x 09 = 36 02 x 15 = 30 कुल अंकः25

कोई टिप्पणी / सुझावः

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग अ– परिचय				
कार्यक्रम प्रमाण पत्र		कक्षाः बी ए	वर्षः प्रथम वर्ष	सत्रः 2020–21
विषयः हिंदी साहित्य				
1	पाठ्यक्रम का कोड	Al-HLIT2T		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	कार्यालयीन हिंदी एवं भाषा कम्प्यूटिंग (प्रश्न पत्र 201)		
3	पाठ्यक्रम का प्रकारः (कोर कोर्स / इलेक्टिव / जेनेरिक इलेक्टिव / वोकेशनल / ...)	कोर कोर्स		
4	पूर्वपेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए विद्यार्थी ने किसी भी विषय से कक्षा 12वीं प्रमाण पत्र / डिप्लोमा किया हो, पात्र है।		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. इस कोर्स के माध्यम से विद्यार्थी कार्यालय के कार्यो की मूलभूत जानकारी एवं कार्यशैली से परिचित हो सकेंगे। जिससे वे कार्यालयीन कार्य करने में सक्षम होंगे। 2. नई तकनीकी के माध्यम से ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त कर सकेंगे। 3. भाषा कम्प्यूटिंग में दक्षता होगी तथा रोजगार प्राप्ति के अवसर मिलेंगे।		
		1. लोकतंत्र के विभिन्न मॉडलों (प्रतिदर्श) एवं प्रतिनिधित्व के सिद्धातों की व्याख्या करने में सक्षम होंगे।		
6	क्रेडिट मान	6		
7	कुल अंक	अधिकतम अंकः 25+75		न्यूनतम उत्तीर्ण अंकः33

भाग ब– पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या 90 (प्रति सप्ताह घंटे में 02)		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
इकाई–1	कार्यालयीन हिन्दी का स्वरूप, उद्देश्य एवं क्षेत्रः 1.1 कार्यालयीन हिन्दी का स्वरूप एवं उद्देश्य 1.2 कार्यालयीन हिन्दी तथा सामान्य हिन्दी का संबंध एवं अंतर 1.3 कार्यालयीन कार्यकलाप की सामान्य जानकारी 1.4 हिन्दी के प्रयोजनमूलक संदर्भः कार्यालयीन, साहित्यिक, वाणिज्यिक, वैज्ञानिक, तकनीकी, विधिक एवं कानूनी, जनसंचार माध्यम आदि। राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति एवं प्रमुख प्रावधान।	16
इकाई–2	हिन्दी के शब्द संसाधन (कम्प्यूटर टंकण)	18

	1.1 हिन्दी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर एवं विभिन्न की–बोर्ड, देवनागरी लिपि के विविध फोण्ट्स, यूनीकोड, हिन्दी स्लाइड, पी.पी.टी., पोस्टर निर्माण, स्पीच टू टेक्स्ट एवं	

	टेक्स्ट टू स्पीच, हिंदी शार्ट हैण्ड का परिचय। 1..2 हिन्दी से संबंधित वेबसाईट ई मेल, इंटरनेट पर उपलब्ध पत्र–पत्रिकायें,, दृश्य श्रव्य सामग्री ई पुस्तकालय सरकारी तथा गैर सरकारी चौनल आभासी कक्षाएं।	
इकाई–3	कार्यालयीन हिन्दी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली 1.1 शब्दावली निर्माण के सिद्धांत 1.2 कार्यालयीन हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली प्रशासनिक विधि संबंधी एवं वाणिज्यिक पारिभाषिक शब्दावली 1.3 पदनाम एवं अनुभाग	16
इकाई–4	1 कार्यालयीन हिन्दी पत्राचारः 1.1 आवेदन पत्र 1.2 शासकीय एवं अर्द्धशासकीय पत्र 1.3 कार्यालयीन आदेश 1.4 परिपत्र 1.5 अधिसूचना 1.6 कार्यालयीन ज्ञापन 1.7 विज्ञापन 1.8 निविदा 1.9 संकल्प 1.10 प्रेस विज्ञप्ति एवं अन्य कार्यालयीन पत्र 2 प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन, प्रतिवेदन एवं हिंदी का मानकीकरण 2.1 प्रारूपण का अर्थ, सामान्य परिचय, प्रारूपण लेखन की पद्धति 2.2 टिप्पण का अर्थ, सामान्य परिचय, टिप्पण लेखन की पद्धति, टिप्पण और टिप्पणी में अंतर 2.3 संक्षेपण का अर्थ एवं संक्षेपण–पद्धति, पल्लवन का अर्थ, पल्लवन के सिद्धांत, पल्लवन और निबंध लेखन में अंतर 2.4 प्रतिवेदन का अर्थ, सामान्य परिचय एवं प्रयोग	

इकाई–5	1 कम्प्यूटर एवं इंटरनेट में हिंदी भाषा एवं देवनागरी लिपि के अनुप्रयोग 1.1 कम्प्यूटर में हिन्दी भाषा के विकास का इतिहास 1.2 हिंदी का मानकीकृत रूप 1.3 ब्लॉगिंग एवं सोशल मीडिया पर हिन्दी लेखन कौशल	20

	–फेसबुक एवं अन्य प्लेटफर्म 1.4 ई–गर्वनेंस 1.5 विराम चिह्न, अशुद्धि–संशोधन एवं प्रूफ –शोधन 1.6 व्यावहारिक अभ्यास विभिन्न प्रकार के कार्यालयीन पत्र, ब्लॉगिंग, पोस्टर ईमेल एवं अन्य	

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग/: कार्यालयीन हिन्दी, शब्द संसाधन, कार्यालयीन पत्राचार, संक्षेपण, पल्लवन, देवनागरी लिपि के अनुप्रयोग, स्पीच टू टेक्स एवं टेक्स टू स्पीच, हिन्दी शार्टहेन्ड, प्रूफ–शोधन

भाग स–अनुशसित अध्ययन संसाधन

पाठयक्रम पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठय संसाधन/पाठय सामग्रीः

सदर्भ ग्रन्थ–

1. सागर, रामचंद्र सिंह, कार्यालय कार्य विधि, आत्माराम एंड संस, नयी दिल्ली 1963
2. शर्मा, चंद्रपाल, कार्यालयीन हिन्दी की प्रकृति समता प्रकाशन, दिल्ली 1991
3. ''प्रज्ञा पाठमाला, राजभाषा विभाग, गृह मंपालय, भारत सरकार नयी दिल्ली
4. गोदरे, डॉविनोद प्रयोजनमूलक हिन्दी वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2009
5. झाल्टे दंगल, ''प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धांत और प्रयोग पाणी प्रशन नयी दिल्ली 2016 पंचम संस्करण
6. सोनटक्के, डॉमाधव प्रयोजनमूलक हिन्दीः प्रयुक्ति और अनुवाद, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
7. भाटिया, कैलाशचन्द्र प्रयोजनमूलक हिन्दी प्रक्रिया और स्वरूप तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली 2005
8. जैन, डा. संजीव कुमार सं., ''प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी एवं कम्प्यूटिंग, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल
9. मल्होत्रा, विजयकुमार, ''कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
10. गोयल, संतोष, हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली
11. हरिमोहन, ''आधुनिक जनसंचार और हिन्दी'', तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली
12. हरिमोहन, कम्प्यूटर और हिन्दी'', तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली
13. द्विवेदी, संजय ''नए समय का संवादः सोशल नेटवर्किंग', नेहा, पलिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नयी दिल्ली
14. शुक्ल, सौरभ, ''नए जमाने की पत्रकारिता, विजडम विलेज' पब्लिकेशन्स, दिल्ली
15. कुमार, सुरेश, ''इन्टरनेट पत्रकारिता'', तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली
16. श्रीवास्तव, गोपीनाथ, कम्प्यूटर का इतिहास और कार्यविधि, सामयिक प्रकाशन, नयाँ दिल्ली
17. सिंह, अजय कुमार, ''इलेक्ट्रानिक पत्रकारिता, लोकभारती प्रकाशन इलाहबाद 2014

2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म लिंक

1- www.wikinidiva.org

2- www.egyankosh.ac.in
3- www.youtube.com
4- https://epgp.inflibnet.ac.in
5- Hi.m.wikipidiya.org
6- www.india.gov.in>topics

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम

भाग द – अनुशसिंत मूल्यांकन विधियाः

अनुशसित सतत मूल्यांकन विधियाः
अधिकतम अंकः 100
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंकः 75

आंतरिक मूल्यांकनः सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट / प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	15 10 कुल अंकः 25
आकलनः विश्वविद्यालय परीक्षाः समय–02.00 घंटे	अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द) अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द) अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	03 x 03 = 09 04 x 09 = 36 02 x 15 = 30 कुल अंकः25

कोई टिप्पणी / सुझावः

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग अ– परिचय				
कार्यक्रम प्रमाण पत्र		कक्षाः बी ए	वर्षः प्रथम वर्ष	सत्रः 2020–21
विषयः हिंदी साहित्य				
1	पाठ्यक्रम का कोड	Al-HLIT2T		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	कार्यालयीन हिंदी एवं भाषा कम्प्यूटिंग (प्रश्न पत्र 2)		
3	पाठ्यक्रम का प्रकारः (कोर कोर्स / इलेक्टिव / जेनेरिक इलेक्टिव / वोकेशनल / ...)	कोर कोर्स		
4	पूर्वपेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए विद्यार्थी ने किसी भी विषय से कक्षा 12वीं प्रमाण पत्र / डिप्लोमा किया हो, पात्र है।		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	4. इस कोर्स के माध्यम से विद्यार्थी कार्यालय के कार्यो की मूलभूत जानकारी एवं कार्यशैली से परिचित हो सकेंगे। जिससे वे कार्यालयीन कार्य करने में सक्षम होंगे। 5. नई तकनीकी के माध्यम से ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त कर सकेंगे। 6. भाषा कम्प्यूटिंग में दक्षता होगी तथा रोजगार प्राप्ति के अवसर मिलेंगे।		
6	क्रेडिट मान	6		
7	कुल अंक	अधिकतम अंकः 25+75	न्यूनतम उत्तीर्ण अंकः33	

भाग ब– पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या 90 (प्रति सप्ताह घंटे में 02)

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
इकाई–1	कार्यालयीन हिन्दी का स्वरूप, उद्देश्य एवं क्षेत्रः 1.1 कार्यालयीन हिन्दी का स्वरूप एवं उद्देश्य 1.2 कार्यालयीन हिन्दी तथा सामान्य हिन्दी का संबंध	16

	एवं अंतर 1.3 कार्यालयीन कार्यकलाप की सामान्य जानकारी 1.4 हिन्दी के प्रयोजनमूलक संदर्भः कार्यालयीन, साहित्यिक, वाणिज्यिक, वैज्ञानिक, तकनीकी, विधिक एवं कानूनी, जनसंचार माध्यम आदि। राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति एवं प्रमुख प्रावधान।	
इकाई–2	हिन्दी के शब्द संसाधन (कम्प्यूटर टंकण) 1.1 हिन्दी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर एवं विभिन्न की–बोर्ड, देवनागरी लिपि के विविध फोण्ट्स, यूनीकोड, हिन्दी स्लाइड, पी.पी.टी., पोस्टर निर्माण, स्पीच टू टेक्स्ट एवं	18

	टेक्स्ट टू स्पीच, हिंदी शार्ट हैण्ड का परिचय। 1..2 हिन्दी से संबंधित वेबसाईट ई मेल, इंटरनेट पर उपलब्ध पत्र–पत्रिकायें,, दृश्य श्रव्य सामग्री ई पुस्तकालय सरकारी तथा गैर सरकारी चौनल आभासी कक्षाएं।	
इकाई–3	कार्यालयीन हिन्दी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली 1.1 शब्दावली निर्माण के सिद्धांत 1.2 कार्यालयीन हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली प्रशासनिक विधि संबंधी एवं वाणिज्यिक पारिभाषिक शब्दावली 1.3 पदनाम एवं अनुभाग	16
इकाई–4	1 कार्यालयीन हिन्दी पत्राचारः 1.1 आवेदन पत्र 1.2 शासकीय एवं अर्द्धशासकीय पत्र 1.3 कार्यालयीन आदेश 1.4 परिपत्र 1.5 अधिसूचना 1.6 कार्यालयीन ज्ञापन 1.7 विज्ञापन 1.8 निविदा 1.9 संकल्प 1.10 प्रेस विज्ञप्ति एवं अन्य कार्यालयीन पत्र 2 प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन, प्रतिवेदन एवं	

	हिंदी का मानकीकरण 2.1 प्रारूपण का अर्थ, सामान्य परिचय, प्रारूपण लेखन की पद्धति 2.2 टिप्पण का अर्थ, सामान्य परिचय, टिप्पण लेखन की पद्धति, टिप्पण और टिप्पणी में अंतर 2.3 संक्षेपण का अर्थ एवं संक्षेपण–पद्धति, पल्लवन का अर्थ, पल्लवन के सिद्धांत, पल्लवन और निबंध लेखन में अंतर 2.4 प्रतिवेदन का अर्थ, सामान्य परिचय एवं प्रयोग	
इकाई–5	1 कम्प्यूटर एवं इंटरनेट में हिंदी भाषा एवं देवनागरी लिपि के अनुप्रयोग 1.1 कम्प्यूटर में हिन्दी भाषा के विकास का इतिहास 1.2 हिंदी का मानकीकृत रूप 1.3 ब्लॉगिंग एवं सोशल मीडिया पर हिन्दी लेखन कौशल	20

	–फेसबुक एवं अन्य प्लेटफर्म 1.4 ई–गर्वनेंस 1.5 विराम चिह्न, अशुद्धि–संशोधन एवं प्रूफ –शोधन 1.6 व्यावहारिक अभ्यास विभिन्न प्रकार के कार्यालयीन पत्र, ब्लॉगिंग, पोस्टर ईमेल एवं अन्य	
सार बिंदु (की वर्ड)/टैग/: कार्यालयीन हिन्दी, शब्द संसाधन, कार्यालयीन पत्राचार, संक्षेपण, पल्लवन, देवनागरी लिपि के अनुप्रयोग, स्पीच टू टेक्स एवं टेक्स टू स्पीच, हिन्दी शार्टहेन्ड, प्रूफ–शोधन		
भाग स–अनुशसित अध्ययन संसाधन		
पाठयक्रम पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन		
अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठय संसाधन/पाठय सामग्रीः सदर्भ ग्रन्थ– 1. सागर, रामचंद्र सिंह, कार्यालय कार्य विधि, आत्माराम एंड संस, नयी दिल्ली 1963 2. शर्मा, चंद्रपाल, कार्यालयीन हिन्दी की प्रकृति समता प्रकाशन, दिल्ली 1991 3. ''प्रज्ञा पाठमाला, राजभाषा विभाग, गृह मंपालय, भारत सरकार नयी दिल्ली 4. गोदरे, डॉविनोद प्रयोजनमूलक हिन्दी वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2009 5. झाल्टे दंगल, ''प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धांत और प्रयोग पाणी प्रशन नयी दिल्ली 2016 पंचम संस्करण 6. सोनटक्के, डॉमाधव प्रयोजनमूलक हिन्दीः प्रयुक्ति और अनुवाद, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली 7. भाटिया, कैलाशचन्द्र प्रयोजनमूलक हिन्दी प्रक्रिया और स्वरूप तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली 2005 8. जैन, डा. संजीव कुमार सं., ''प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी एवं कम्प्यूटिंग, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल 9. मल्होत्रा, विजयकुमार, ''कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली 10. गोयल, संतोष, हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली 11. हरिमोहन, ''आधुनिक जनसंचार और हिन्दी'', तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली		

12. हरिमोहन, कम्प्यूटर और हिन्दी'', तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली
13. द्विवेदी, संजय ''नए समय का संवादः सोशल नेटवर्किंग', नेहा, पलिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नयी दिल्ली
14. शुक्ल, सौरभ, ''नए जमाने की पत्रकारिता, विजडम विलेज' पब्लिकेशन्स, दिल्ली
15. कुमार, सुरेश, ''इन्टरनेट पत्रकारिता'', तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली
16. श्रीवास्तव, गोपीनाथ, कम्प्यूटर का इतिहास और कार्यविधि, सामयिक प्रकाशन, नयाँ दिल्ली
17. सिंह, अजय कुमार, ''इलेक्ट्रानिक पत्रकारिता, लोकभारती प्रकाशन इलाहबाद 2014

2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म लिंक

1- www.wikinidiva.org
2- www.egyankosh.ac.in
3- www.youtube.com
4- https://epgp.inflibnet.ac.in
5- Hi.m.wikipidiya.org
6- www.india.gov.in>topics

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम

भाग द – अनुशसिंत मूल्यांकन विधियाः

अनुशसित सतत मूल्यांकन विधियाः
अधिकतम अंकः 100
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंकः 75

आंतरिक मूल्यांकनः सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट / प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	15 10 कुल अंकः 25
आकलनः विश्वविद्यालय परीक्षाः समय–02.00 घंटे	अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द) अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द) अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	03 x 03 = 09 04 x 09 = 36 02 x 15 = 30 कुल अंकः25

कोई टिप्पणी / सुझावः